बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई)

सन्दर्भ

हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और ऑक्सफोर्ड पॉवर्टी एंड ह्यूमन डेवलपमेंट इनिशिएटिव (ओपीएचआई) द्वारा वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) जारी किया गया हैं।

मुख्य बिंदु :-

- 2005-06 तथा 2019-21 के 15 वर्ष की अवधि के दौरान भारत में लगभग 41.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले।
- पहले 10 वर्षों में दो तिहाई और अगले पांच वर्षों में एक तिहाई लोग गरीबी की की बाहर हो गए।
- देश में गरीबी का स्तर 2005-06 के 55.1% से गिरकर 2019-21 में 16.4% हो गया है।
- एमपीआई मूल्य 2005-2006 में 0.283 से गिरकर 2015-2016 में 0.122 हो गया और 2019-2021 में 0.069 हो गया।
- सभी 10 एमपीआई संकेतकों में उल्लेखनीय कमी देखी गई जिसके परिणामस्वरूप एमपीआई मूल्य और गरीबी में व्यापक कमी आई है।
- भारत के लिए एमपीआई में सुधार ने दक्षिण एशिया में गरीबी में गिरावट में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
- 2015-2016 में सबसे गरीब राज्य बिहार में एमपीआई मूल्य में निरपेक्ष रूप से सबसे तेज कमी दर्ज की गई है ।
- वहां गरीबी की स्तर 2005-2006 में 77.4% से कम होकर 2019-2021 में 34.7% हो गया।

सम्बंधित सूचनाएं :-

विश्व में गरीबी की संख्या में भारत 22.8 करोड़ के साथ प्रथम स्थान पर है जबकि ,इसके बाद नाइजीरिया (9.6 करोड़) का स्थान है। 2019-2021 में भारत में 9.7 करोड़ गरीब बच्चे भी थे।

बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) के विषय में :

- एम.पी.आई एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय सूचकांक है यह तीव्र बहुआयामी गरीबी का मापन करता है।
- यह 100 से अधिक विकासशील देशों की गरीबी का मापन करता है।
- इसे OPHI और UNDP के मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय द्वारा पहली बार 2010 में लॉन्च किया गया था।

संकेतक:

- वैश्विक एमपीआई स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर में फैले 10 संकेतकों के माध्यम से प्रत्येक घर और व्यक्ति के वल्नरेबल प्रोफाइल का निर्माण करता है।
- सभी संकेतक प्रत्येक आयाम में समान रूप से भारित होते हैं।
- वैश्विक एमपीआई में तो लोगों को बहुआयामी रूप से गरीब के रूप में इंगित करता , यदि उनका वंचन स्कोर 1/3 या अधिक हो।

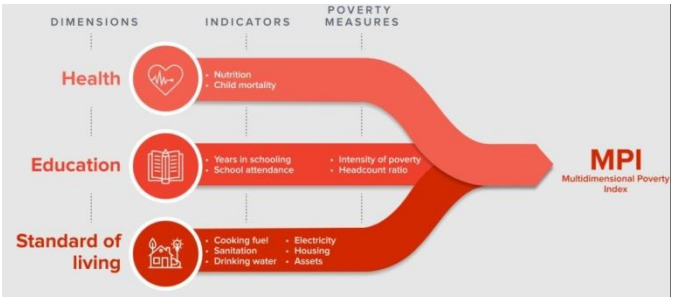

वर्ल्ड ग्रीन सिटी अवार्ड

सन्दर्भ

हाल ही में तेलंगाना के हैदराबाद शहर ने जेजू, दक्षिण कोरिया में आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ हॉर्टिकल्चर प्रोड्यूसर्स (एआईपीएच) वर्ल्ड ग्रीन सिटी अवार्ड्स 2022 में समग्र 'वर्ल्ड ग्रीन सिटी अवार्ड 2022' और 'लिविंग ग्रीन फॉर इकोनॉमिक रिकवरी एंड इनक्लूसिव ग्रोथ' पुरस्कार जीता है।

मुख्य बिंदु :-

- हैदराबाद ने पेरिस, मैक्सिको सिटी, मॉन्ट्रियल, फोर्टालेजा और बोगोटा जैसे शहरों को हराकर यह पुरस्कार जीता है।
- इसने न केवल श्रेणी का पुरस्कार जीता बल्कि समग्र 'वर्ल्ड ग्रीन सिटी 2022' पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया है।
- हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय मंच पर ख्याति प्राप्त करने वाला एकमात्र भारतीय शहर बन गया।
- यह पुरस्कार में एक ऐसी श्रेणी है जो ऐसे सिस्टम और समाधान बनाने पर केंद्रित है जो सभी शहर के निवासियों को आर्थिक संकट से उबरने तथा विकास करने से सम्बंधित हैं। इस श्रेणी में ओआरआर हरियाली जिसे 'तेलंगाना राज्य के लिए ग्रीन नेकलेस' कहा जाता है, को इस श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया।
- इन अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चयनित होने वाला हैदराबाद भारत का एकमात्र शहर है।

यहां एआईपीएच जीतने वाले अन्य शहरों की सूची दी गई है

विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार:

- **जैव विविधता के लिए लिविंग ग्रीन:** रेवरडेसर बोगोटा, बोगोटा डी.सी., कोलंबिया
- **जलवायु परिवर्तन के लिए लिविंग ग्रीन:** मेक्सिको सिटी का पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन कार्यक्रम, मेक्सिको सिटी, मेक्सिको
- **स्वास्थ्य और भलाई के लिए लिविंग ग्रीन:** अवक्रमित भूमि को शहरी माइक्रो पार्कों में बदलना, फ़ोर्टालेज़ा शहर, ब्राज़ील
- **लिविंग ग्रीन फॉर वॉटर**: मॉन्ट्रियल बॉटनिकल गार्डन / स्पेस फॉर लाइफ, मॉन्ट्रियल शहर, कनाडा में फाइटोटेक्नोलॉजी स्टेशन
- **सामाजिक एकता के लिए लिविंग ग्रीन:** ओएसिस स्कूलयार्ड परियोजना, पेरिस शहर, फ्रांस
- **आर्थिक सुधार और समावेशी विकास के लिए लिविंग ग्रीन**: तेलंगाना राज्य, हैदराबाद शहर के लिए ग्रीन गारलैंड।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

सन्दर्भ

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और ईवाई इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार अगले पांच वर्षों में भारत में 475 अरब डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को आकर्षित करने की क्षमता है।

प्रमुख बिंदु :-

- भारत में 2021-22 में एफडीआई 2014-15 की अपेक्षा लगभग दोगुना होकर 83.6 अरब डॉलर हो गया। यह 2014-2015 में लगभग 45.15 अरब डॉलर था।

शीर्ष पांच एफडीआई स्रोत राष्ट्र:

सिंगापुर (27.01%), यूएसए (17.94%), मॉरीशस (15.98%), नीदरलैंड (7.86%) और स्विट्जरलैंड (7.31%) भारत में वित्त वर्ष 2021-22 में FDI इक्विटी प्रवाह के लिए शीर्ष 5 देशों के रूप में उभरे हैं।

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान उच्चतम एफडीआई इक्विटी प्रवाह प्राप्त करने वाले शीर्ष 5 क्षेत्र हैं:

कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर (24.60%), सेवा क्षेत्र (12.13%), ऑटोमोबाइल उद्योग (11.89%), व्यापार 7.72% और निर्माण (इन्फ्रास्ट्रक्चर) गतिविधियाँ (5.52%)।

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान उच्चतम एफडीआई इक्विटी अंतर्वाह प्राप्त करने

भारत को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त होने वाले मार्ग :-

स्वचालित मार्ग:

अनिवासी या भारतीय कंपनी को एफडीआई के लिए भारतीय रिजर्व बैंक या भारत सरकार की पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं है।

सरकारी मार्ग:

सरकार की मंजूरी अनिवार्य है।

कंपनी को एक आवेदन दाखिल करना होगा।

फिर आवेदन को संबंधित मंत्रालय को अग्रेषित किया जाता है, जो आवेदन को स्वीकृत/अस्वीकार करेगा।

डीपीआईआईटी मौजूदा एफडीआई नीति के तहत आवेदनों के प्रसंस्करण के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी करेगा।

ऐसे उद्योग जहां प्रत्यक्ष विदेशी निवेश सख्त वर्जित है :

☐ परमाणु ऊर्जा उत्पादन, कोई भी जुआ या सट्टेबाजी व्यवसाय लॉटरी (ऑनलाइन, निजी, सरकारी, आदि), चिट फंड निधि कंपनी में निवेश, कृषि या वृक्षारोपण

वाले शीर्ष 5 राज्य हैं:
कर्नाटक (37.55%), महाराष्ट्र (26.26%), दिल्ली (13.93%), तमिलनाडु (5.10%) और हरियाणा (4.76%)
अंकटाड विश्व निवेश रिपोर्ट (डब्ल्यूआईआर) 2022 के अनुसार, एफडीआई प्रवाह में वैश्विक रुझानों के अपने विश्लेषण में, भारत ने 2021 के लिए शीर्ष 20 अर्थव्यवस्थाओं में एक स्थान सुधार कर 7वें स्थान पर पहुंच गया है।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) के विषय में :

- प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) तब दी जाती है जब कोई कंपनी किसी अन्य देश में किसी व्यावसायिक इकाई में नियंत्रण स्वामित्व लेती है।
- एफडीआई के साथ, विदेशी कंपनियां दूसरे देश में कंपनी के प्रशासनिक कार्यों में प्रत्यक्ष रूप से शामिल होती हैं।
- इसका अर्थ है कि वे न केवल अपने साथ पूँजी ला रहे हैं, बल्कि ज्ञान, कौशल और तकनीक भी ला रहे हैं।

गतिविधियाँ, सिगार, सिगरेट

दुर्गावती टाइगर रिजर्व

संदर्भ

मध्य प्रदेश वन्यजीव बोर्ड ने हाल ही में पन्ना टाइगर रिजर्व (पीटीआर) के बाघों के लिए एक नए रिजर्व को मंजूरी दी है; क्योंकि इसका एक चौथाई केन-बेतवा नदियों को जोड़ने के कारण जलमग्न हो जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- दुर्गावती टाइगर रिजर्व के नाम से एक नया टाइगर रिजर्व बनाया जा रहा है। यह 2,339 वर्ग किलोमीटर में नरसिंहपुर, दमोह और सागर जिलों में विस्तृत होगा।
- पीटीआर को दुर्गावती से जोड़ने वाला एक हरित गलियारा विकसित किया जाएगा ताकि बाघों के नए अभ्यारण्य में प्राकृतिक आवागमन सुनिश्चित हो सके।

केन-बेतवा लिंक परियोजना के बारे में

- केन-बेतवा लिंक परियोजना (केबीएलपी) राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) के प्रायद्वीपीय नदियों के विकास के तहत पहली नदी जोड़ने वाली परियोजना है।
- यह क्षेत्र दो राज्यों के जिलों में मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश के झांसी, बांदा, ललितपुर और महोबा जिलों और मध्य प्रदेश के टीकमगढ़, पन्ना और छतरपुर जिलों में फैला हुआ है।
- यह यमुना नदी की सहायक नदियों, मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में केन नदी और उत्तर प्रदेश में बेतवा नदी को जोड़ेगी।
- · इस परियोजना में 77 मीटर लंबा और 2 किमी चौड़ा धौधन बांध और 230 किमी नहर का निर्माण शामिल है।

संक्षिप्त सुर्खियां

पीएम किसान सम्मान सम्मेलन 2022

सन्दर्भ

हाल ही में प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में भव्य पीएम किसान सम्मान सम्मेलन 2022 का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु :-

- प्रधान मंत्री ने कृषि स्टार्टअप सम्मेलन और प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया जिसमें लगभग 300 स्टार्टअप कृषि तकनीकों में अपने नवाचार का प्रदर्शन करेंगे।
- इंडियन एज: कार्यक्रम के दौरान उर्वरकों पर फोकस के साथ 'इंडियन एज' नामक एक ई-पत्रिका का शुभारंभ किया गया।
- यह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उर्वरक परिदृश्यों के बारे में जानकारी प्रदान करेगा, जिसमें हालिया विकास, मूल्य प्रवृत्ति विश्लेषण, उपलब्धता और खपत, और किसानों की सफलता की कहानियां शामिल हैं।

प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र (पीएमकेएसके)

सन्दर्भ

हाल ही में, भारत के प्रधान मंत्री ने रसायन और उर्वरक मंत्रालय के तहत 600 प्रधान मंत्री किसान समृद्धि केंद्रों (पीएमकेएसके) का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- इस योजना के अंतर्गत , देश में खुदरा उर्वरक की दुकानों को चरणबद्ध तरीके से पीएमकेएसके में परिवर्तित किया जाएगा।
- यह किसानों की विभिन्न प्रकार की जरूरतों को पूरा करेगा और कृषि इनपुट जैसे उर्वरक, बीज, उपकरण; मिट्टी, बीज, उर्वरक के लिए परीक्षण सुविधाएं प्रदान करेगा
- कृषको में जागरूकता को बढ़ाना
- यह विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान करना और ब्लॉक/जिला स्तर के आउटलेट पर खुदरा विक्रेताओं की नियमित क्षमता निर्माण सुनिश्चित करना।
- 3.3 लाख से अधिक खुदरा उर्वरक दुकानों को पीएमकेएसके में बदलने की योजना है।

भारतीय बाइसन या गौर

सन्दर्भ :

भारत सरकार श्रीलंका को गौर, या भारतीय बाइसन निर्यात करने के लिए कोलंबो से एक प्रस्ताव पर विचार कर रही है।

प्रमुख बिंदु

उद्देश्य:

17वीं शताब्दी के अंत से द्वीप में विलुप्त हो चुकी ग़ौरो की आबादी को पुनर्जीवित

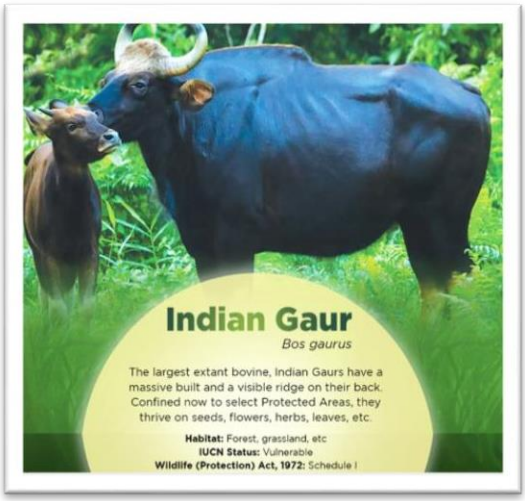

करने का प्रयास किया जा रहा है।
यह भारत और श्रीलंका के बीच पहला ऐसा समझौता होगा, तथा यह "वन्यजीव या प्राणी कूटनीति" की वैश्विक प्रवृत्ति का हिस्सा होगा।

भारतीय बाइसन के बारे में

भारतीय गौर, एक अकेला गोजातीय है जो जंगली में रहता है, यह सबसे बड़ा जंगली गोजातीय है।

वितरण :

यह दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया का स्थानीय निवासी है।
यह वियतनाम, कंबोडिया, लाओस, थाईलैंड, प्रायद्वीपीय मलेशिया, म्यांमार, भारत, बांग्लादेश, भूटान, चीन और नेपाल में पाया जाता है।

जनसंख्या :

दुनिया में लगभग 13,000 से 30,000 गौर हैं, जिनमें लगभग 85% जनसंख्या भारत में निवास करती है।

संरक्षण स्तर :

वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, 1972- अनुसूची I
IUCN रेड लिस्ट - सुभेद्य

वोल्फ वारियर कूटनीति

सन्दर्भ :

हाल ही में, चीनी कूटनीति की "वोल्फ वारियर " शैली ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

प्रमुख बिंदु

- यह एक ऐसा शब्द है जिसने शी के राष्ट्रपति बनने के बाद लोकप्रियता हासिल की।
- "वोल्फ वारियर कूटनीति " का प्रयोग चीनी सरकार के लिए चीन से पृथक अपनी विचारधारा का विस्तार करने और पश्चिम का मुकाबला करने और अपनी रक्षा करने की एक युक्ति है।
- यह आक्रामक शैली एक अनौपचारिक शब्द है जिसे चीनी राजनयिकों ने पिछले एक दशक में अपनाया है।
- 2015 की एक चीनी एक्शन फिल्म, जिसका शीर्षक 'वुल्फ वॉरियर' है, और इसके सीक्वल ने इस शब्द के लिए प्रेरणा का काम किया।

एकीकृत पेंशनर पोर्टल

सन्दर्भ

केंद्रीय मंत्री पेंशनभोगियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए एकीकृत पेंशनर पोर्टल नामक एकल खिड़की का शुभारंभ करेंगे।

प्रमुख बिंदु

- पेंशनभोगियों के जीवन को आसान बनाने की दृष्टि से, विभाग ने एक एकीकृत पेंशनभोगी पोर्टल विकसित किया है।

- इसमें डीओपीपीडब्ल्यू के विभिन्न स्टैंड-अलोन पोर्टल शामिल हैं। इसमें भविष्य, CPENGRAMS, अनुभव, संकल्प, अनुदान और बैंकों के पोर्टल जिससे सिंगल विंडो से कई सेवाएं प्रदान की जा सकें।
- भारतीय स्टेट बैंक पहला पेंशन वितरण बैंक बन गया है जिसने स्वयं को पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग (DoPPW) के पोर्टल के साथ एकीकृत किया है।
- पेंशनभोगी अपनी सभी पेंशन संबंधी गतिविधियों के लिए इस पोर्टल का उपयोग कर सकते हैं।
- एकीकृत पेंशनभोगियों के पोर्टल को सभी पेंशन संवितरण बैंकों के साथ एकीकृत किया जाएगा।
- · पोर्टल विभिन्न सरकारी नीतियों की प्रभावशीलता को बढ़ाने में पेंशनभोगी के योगदान से संबंधित जानकारी देने का अवसर भी प्रदान करता है।

स्वदेश निर्मित प्रथम एल्युमिनियम फ्रेट ट्रेन

सन्दर्भ

रेलवे ने हाल ही में भुवनेश्वर से स्वदेशी रूप से निर्मित एल्यूमीनियम माल ट्रेन रेक का अनावरण किया है यह अपने पूर्ववर्तियों की तुलना में हल्का, लेकिन अधिक माल ढुलाई क्षमता रखती है।

प्रमुख बिंदु :-

- कार्बन की बचत आठ से 10 टन है और इसका अर्थ है कि एक रेक के लिए 14,500 टन से अधिक कार्बन की बचत होगी।
- यह पारंपरिक रेकों पर प्रति ट्रिप 180 टन अतिरिक्त पेलोड ले जा सकता है और संक्षारण प्रतिरोधी होने के कारण, रखरखाव लागत को कम करेगा।
- अधिरचना पर बिना वेल्डिंग के इन वैगनों को बनाने के लिए पूरी तरह से लॉक बोल्ट वाले निर्माण का उपयोग किया गया था।
- नए रेक का 80 प्रतिशत पुनर्विक्रय मूल्य और 10 वर्ष लंबा जीवनकाल है
- सामान्य लोगों की तुलना में।
- घरेलू एल्युमीनियम उद्योग के लिए अच्छा है: लोहा और इस्पात उद्योग निकेल और कैडमियम की बहुत अधिक खपत करता है जिसका आयात किया जाता है। इसलिए एल्युमीनियम वैगनों के प्रसार से आयात कम होगा और साथ ही यह घरेलू एल्युमीनियम उद्योग के लिए अच्छा है।
- · उच्च लागत: निर्माण लागत 35 प्रतिशत अधिक है क्योंकि अधिरचना सभी एल्यूमीनियम है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com